अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल, द्वारा विकसित तकनीकों का प्रदर्शन

भोपाल में 17 से 23 दिसम्बर तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल द्वारा विभिन्न वनोपज के उत्पादन एवं प्रसंस्करण हेतु विकसित उपकरणों, तकनीकों एवं प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले के दौरान स्टॉल पर सामान्य आगंतुकों के अतिरिक्त छात्र-छात्राओं, वन अधिकारियों, प्रोफेसरों, शिक्षकों एवं विभिन्न विभागों से जुड़े नीति.निर्माताओं ने भ्रमण किया। इस अवसर पर राजस्थान के वर्तमान नागरिक एवं आवास मंत्री माननीय श्री छाबर सिंह खार्रा ने भी संस्थान के स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न यंत्रों, तकनीकां एवं खाद्य उत्पादों की सराहना करते हुए संस्थान के प्रयासों की प्रशंसा की।

बहुत से आगंतुकों ने कृषि यंत्रों के मॉडल्स को चलाकर देखा, उनकी उपयोगिता एवं कार्यविधि को समझा। इस अवसर पर सोयाबीन के पोषण महत्वए शुद्धता एवं स्वास्थ्य लाभों के बारे में आगंतुकों को विस्तार से जानकारी दी गई। संस्थान की वैज्ञानिक डॉ दीपिका एण् मुरुगकर एवं डॉ समलेश कुमारी द्वारा टोफू, सोय नट्स, सोय मफिन्स तथा सोय आटा जैसे उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री की समुचित व्यवस्था की गई। स्टॉल पर आए आगंतुकों को केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल में प्रस्तावित आगामी सोयाबीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई एवं ऑन लाइन प्रशिक्षण पंजीकरण के लिए **eventform.in/view/cespu** लिंक साझा किया गया। बड़ी संख्या में आगंतुकों ने संस्थान में आयोजित होने वाले आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने की इच्छा जताई। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के मेलों के माध्यम से किसानों, युवाओं और आम जनता को वनोपज के प्रसंस्करण के प्रति जागरूक करना तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है।